भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
04.12.2024 के
अतारांकित प्रश्न सं. 1595 का उत्तर

बिहार और उत्तर प्रदेश के लिए आदर्श स्टेशन कार्यक्रम

1595. श्री देवेश चन्द्र ठाकुर:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) बिहार और उत्तर प्रदेश सहित देश भर में आदर्श स्टेशन कार्यक्रम के तहत कितने रेलवे स्टेशनों का उन्नयन/नवीनीकरण/आधुनिकीकरण किया गया है और आदर्श स्टेशनों पर प्रदान की जा रही सुविधाओं का ब्यौरा क्या है;

(ख) उपरोक्त योजना के संबंध में राज्य-वार निर्धारित लक्ष्यों और उपलब्धियों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार का विचार उक्त योजना के तहत कुछ और स्टेशनों को शामिल करने का है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

*****

S.K

बिहार और उत्तर प्रदेश के लिए आदर्श स्टेशन कार्यक्रम के संबंध में दिनांक 04.12.2024 को लोक सभा में श्री देवेश चन्द्र ठाकुर के अतारांकित प्रश्न सं. 1595 के भाग (क) से (घ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (घ): वर्तमान में स्टेशनों का विकास अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत किया जा रहा है। इस योजना में दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ सतत् आधार पर रेलवे स्टेशनों के विकास की संकल्पना की गई है।

इसमें प्रत्येक रेलवे स्टेशन की आवश्यकता को देखते हुए स्टेशन तक पहुंच, परिचलन क्षेत्र, प्रतीक्षालय, शौचालय, आवश्यकता के अनसुार लिफ्ट/एस्केलेटर, प्लेटफॉर्म की सतह में सुधार और प्लेटफॉर्म के ऊपर कवर, स्वच्छता, नि:शुल्क वाई-फाई, 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं द्वारा स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क, बेहतर यात्री सूचना प्रणाली, एक्जीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए निर्दिष्ट स्थान, लैंडस्केपिंग आदि जैसी सुविधाओं में सुधार लाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और उनका चरणबद्ध कार्यान्वयन शामिल है।

इस योजना में आवश्यकतानुसार, चरणबद्ध रूप से एवं यथा व्यवहार्य स्टेशन भवन में सुधार, स्टेशन का शहर के दोनों छोरों के साथ एकीकरण, मल्टी-मोडाल एकीकरण, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं, दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित पटरियों की व्यवस्था आदि और दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेन्टरों के सृजन की भी परिकल्पना की गई है।

S.K

अब तक, अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 1337 स्टेशनों को चिह्नित किया गया है, जिनमें से 98 स्टेशन बिहार राज्य में और 157 स्टेशन उत्तर प्रदेश राज्य में स्थित हैं। बिहार और उत्तर प्रदेश राज्यों में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकास के लिए चिह्नित किए गए स्टेशनों के नाम नीचे दिए गए हैं।

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
बिहार	(98)	अनुग्रह नारायण रोड, आरा, बख्तियारपुर, बांका, बनमनखी, बापूधाम मोतिहारी, बड़हिया, बरौनी, बाढ़, बरसोई जंक्शन, बेगूसराय, बेतिया, भभुआ रोड, भागलपुर, भगवानपुर, बिहार शरीफ, बिहिया, बिक्रमगंज, बक्सर, चौसा, छपरा, दलसिंह सराय, दरभंगा, दौराम मधेपुरा, डेहरी-ऑन-सोन, ढोली, दिघवारा, डुमरांव, दुर्गौती, फतुहा, गया, घोड़ासहन, गुरारू, हाजीपुर जंक्शन, जमालपुर, जमुई, जनकपुर रोड, जयनगर, जहानाबाद, झंझारपुर, कहलगांव, करागोला रोड, कटिहार, खगड़िया जंक्शन, किशनगंज, कुदरा, लाभा, लहेरिया सराय, लक्खीसराय, लखीमिनिया, मधुबनी, महेश खुंट, मैरवा, मानसी जंक्शन, मोकामा, मुंगेर, मुजफ्फरपुर, नबीनगर रोड, नरकटियागंज, नौगछिया, पहाड़पुर, पाटलिपुत्र, पटना, पीरो, पीरपैंती, रफीगंज, रघुनाथपुर, राजेंद्र नगर, राजगीर, राम दयालु नगर, रक्सौल, सबौर, सगौली,

S.K

		सहरसा, साहिबपुर कमल, सकरी, सलौना, सलमारी, समस्तीपुर, सासाराम, शाहपुर पटोरी, शिवनारायणपुर, सिमरी बख्तियारपुर, सिमुलतला, सीतामढ़ी, सीवान, सोनपुर जं., सुल्तानगंज, सुपौल, तरेगना, ठाकुरगंज, थावे, अररिया कोर्ट, चकिया, नवादा, मोतीपुर, एकमा, मशरख
उत्तर प्रदेश	157	अछनेरा, आगरा कैंट, आगरा फोर्ट, ऐशबाग, अकबरपुर जंक्शन, अलीगढ़, अमेठी, अमरोहा, अयोध्या, आजमगढ़, बाबतपुर, बछरावां, बदायूं, बादशाहनगर, बादशाहपुर, बहेरी, बहराइच, बलिया, बलरामपुर, बनारस, बांदा, बाराबंकी जंक्शन, बरेली, बरेली सिटी, बरहनी, बस्ती, बेल्थरा रोड, भदोही, भरतकुंड, भटनी, भूतेश्वर, बुलंदशहर, चंदौली मझवार, चंदौसी, चिलबिला, चित्रकूट धाम, कार्वी, चोपन, चुनार जंक्शन, डालीगंज, दर्शन नगर, देवरिया सदर, दिलदारनगर, इटावा जंक्शन, फर्रुखाबाद, फतेहाबाद, फतेहपुर, फतेहपुर सीकरी, फिरोजाबाद, गजरौला, गढ़मुक्तेश्वर, गौरीगंज, घाटमपुर, गाजियाबाद, गाजीपुर सिटी, गोला गोकर्णनाथ, गोमतीनगर, गोंडा, गोरखपुर, गोवर्धन, गोविंदपुरी, गुरसहायगंज, हैदरगढ़, हापुड़, हरदोई, हाथरस सिटी, ईदगाह, इज्जतनगर, जंघई जंक्शन, जौनपुर सिटी, जौनपुर जंक्शन, कन्नौज, कानपुर अनवरगंज, कानपुर ब्रिज लेफ्ट बैंक, कानपुर सेंट्रल, कप्तानगंज, कासगंज, काशी, खलीलाबाद, खुर्जा जंक्शन, कोसी कलां, कुंडा हरनामगंज, लखीमपुर, लालगंज, ललितपुर, लंभुआ, लोहता, लखनऊ (चारबाग एवं जंक्शन), लखनऊ सिटी, मगहर, महोबा, मैलानी, मैनपुरी जंक्शन, मल्हौर जंक्शन,

		मानकनगर जंक्शन, मानिकपुर जंक्शन, मरिआहू, मथुरा, मऊ, मेरठ सिटी, मिर्जापुर, मोदी नगर, मोहनलालगंज, मुरादाबाद, नगीना, नजीबाबाद जंक्शन, निहालगढ़, उरई, पनकी धाम, फाफामऊ जंक्शन, फूलपुर, पीलीभीत, पोखरायां, प्रतापगढ़ जंक्शन, प्रयाग जंक्शन, प्रयागराज, पंडित दीन दयाल उपाध्याय, रायबरेली जंक्शन, राजा की मंडी, रामघाट हॉल्ट, रामपुर, रेनूकूट, सहारनपुर जंक्शन, सलेमपुर, सेवहरा, शाहगंज जंक्शन, शाहजहाँपुर, शामली, शिकोहाबाद जंक्शन, शिवपुर, सिद्धार्थनगर, सीतापुर जंक्शन, सोनभद्र, श्रीकृष्ण नगर, सुल्तानपुर जंक्शन, सुरेमनपुर, स्वामीनारायण छप्पिया, टकिया, तुलसीपुर, टूंडला जंक्शन, ऊझानी, ऊंचाहार, उन्नाव जंक्शन, उतरेतिया जंक्शन, वाराणसी कैंट, वाराणसी सिटी, विंध्याचल, वीरांगना लक्ष्मीबाई, व्यासनगर, जाफराबाद, खोरसनरोड, आनंद नगर, बिजनौर, धामपुर, बालामऊ, आंवला, मुजफ्फरनगर

स्टेशनों के विकास और अनुरक्षण के लिए निधियों के आबंटन का ब्यौरा योजना शीर्ष - 53 'ग्राहक सुविधाएं' के अंतर्गत क्षेत्रीय रेलवे-वार रखे जाते हैं। बिहार राज्य चार जोन यथा पूर्व रेलवे, पूर्व मध्य रेलवे, पूर्वोत्तर रेलवे और पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के अंतर्गत आता है। इन जोन के लिए वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए आबंटन 2166 करोड़ रुपए है।

S.K

उत्तर प्रदेश राज्य में पाँच जोन यथा उत्तर रेलवे, उत्तर मध्य रेलवे, पूर्वोत्तर रेलवे, पूर्व मध्य रेलवे और पश्चिम मध्य रेलवे आते हैं। इन जोन के लिए वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए आबंटन 5930 करोड़ रुपए है।

इसके अलावा, भारतीय रेल पर स्टेशनों का उन्नयन/विकास/पुनर्विकास एक सतत् और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्य पारस्परिक प्राथमिकता और निधियों की उपलब्धता के अध्यधीन आवश्यकता के अनुसार किए जाते हैं। बहरहाल, स्टेशनों के उन्नयन/विकास/पुनर्विकास के कार्य को स्वीकृत और निष्पादित करते समय निचली कोटि के स्टेशनों की तुलना में उच्च कोटि के स्टेशनों को प्राथमिकता दी जाती है।

रेलवे स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन जटिल प्रकृति का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा शामिल होती है और इसके लिए दमकल विभाग, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। इनकी प्रगति जनोपयोगी सेवाओं को स्थानांतरित करना, (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं), अतिलंघन, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों का परिचालन, उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के निकट सान्निध्य में किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउन फील्ड संबंधी चुनौतियों के कारण भी प्रभावित होती है और ये कारक कार्य के समापन समय को प्रभावित करते हैं। अत:, इस समय कोई समय-सीमा नहीं बताई जा सकती है।

S.K

आदर्श स्टेशन योजना के अंतर्गत 1251 रेलवे स्टेशनों का विकास किया गया। इस योजना में स्टेशनों की संबंधित श्रेणी के अनुसार स्टेशन भवनों के अग्रभाग, विश्राम कक्ष, प्रतीक्षालय, कंप्यूटर आधारित सार्वजनिक संबोधन प्रणाली, साइनेज, पे एंड यूज शौचालय, वाटर कूलर, उच्च स्तरीय प्लेटफॉर्म, फुट ओवर ब्रिज, दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्टेशन में प्रवेश द्वार पर रैंप आदि में सुधार शामिल था।

******

S.K